**Punjab Kesari (15.01.2015)**

# मेक इन इंडिया विषय पर सेमिनार 20 को

**फरीदाबाद,** 15 जनवरी (देशबन्धु)। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'फिलॉस्फी आफ मेक इन इंडिया' जोकि देश को विनिर्माण के क्षेत्र में दुनिया का प्रमुख केन्द्र बनाने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना पर आधारित एक महत्वाकांक्षी अभियान है, पर 20 जनवरी को एक सेमिनार का आयोजन किया जायेगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के मैकेनिकल विभाग के चेयरमैन प्रो (डॉ) एम एल अग्रवाल ने बताया कि सेमिनार का आयोजन मैकेनिकल विभाग के हाल में सुबह 11 बजे से होगा। इस अवसर पर आईआईटी, दिल्ली के डॉ पी एम पांडेय मुख्य अतिथि होंगे और संबंधित विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान देंगे। युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार देने, आयात को कम कर नये भारतीय उत्पादों का निर्यात पर होगा।

**Punjab Kesari (01.04.2015)**

# सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह

**फरीदाबाद,** (राकेश,अंकुर,देवदत्त): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के कर्मचारियों एवं संकाय सदस्यों ने आज ले जनरल (सेवानिवृत्त) के एस यादव को कुलपति के रूप में तीन वर्षों का कार्यकाल सफलतापूर्वक संपन्न होने पर उनके सम्मान में एक विदाई समारोह का आयोजन किया। हरियाणा राजभवन के आदेशों की अनुपालना करते हुए श्री यादव के कार्यमुक्त हो जाने के उपरांत विश्वविद्यालय के सबसे वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो डॉ संदीप ग्रोवर कार्यवाहक कुलपति के रूप में कार्यभार सौंपा गया है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर डॉ तिलक राज कार्यवाहक कुल सचिव का कार्यभार संभालेंगे। श्री यादव की उल्लेखनीय सेवाओं को सम्मान देते हुए विश्वविद्यालय परिसर में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ ग्रोवर ने श्री यादव को कर्मचारियों की ओर से पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट किया तथा उनके अच्छे स्वास्थ्य और सुखद दीर्घायु की कामना की। कार्यवाहक कुलपति डॉ ग्रोवर ने पूर्व कुलपति श्री यादव के कार्यकाल पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अपने चुनौतिपूर्ण कार्यकाल में श्री यादव ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ढांचे में सुधार लाने के साथ.साथ संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं का विस्तार किया। उन्होंने कहा कि श्री यादव विश्वविद्यालय को दी गई अपनी सेवाओं के लिए हमेशा याद किये जाते रहेंगे। विदाई समारोह को कार्यवाहन कुल सचिव डॉ तिलक राज ने भी संबोधित किया और कुलपति के रूप में श्री यादव की कार्य निष्ठा और सिद्धांतों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विश्वविद्यालय को 12बी तथा 2एफका दर्जा हासिल हुआ है और विश्वविद्यालय को एसोचैम द्वारा सर्वश्रेष्ठ नवोदित विश्वविद्यालय के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। अपने विदाई भाषण में श्री यादव ने कुलपति के रूप में अपने अनुभवों का साझा किया। उन्होंने सभी कर्मचारियों एवं संकाय सदस्यों का सहयोग देने के लिए आभार जताया। अपने तीन वर्षों के कार्यकाल को संतोषजनक बताते हुए श्री यादव ने कहा कि वाईएमसीए विश्वविद्यालय 2009 को अस्तित्व में आया और विश्वविद्यालय ने काफी कम समय में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ प्रदीप डिमरी ने किया। इस अवसर पर सभी डीनए चेयरपर्सनए शाखा प्रमुख के साथ.साथ सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

**ले जनरल (सेवानिवृत्त) के एस यादव के विदाई समारोह के दौरान स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए कार्यवाहक कुलपति प्रो. डा. संदीप ग्रोवर।**

**Dainik Jagran (01.04.2015)**

विविध गतिविधियां

# कुलपति को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई

जासं, फरीदाबाद : वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कर्मचारियों व संकाय सदस्यों ने कुलपति ले. जनरल एस यादव को सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई दी। उनके सम्मान में एक विदाई समारोह का आयोजन किया। वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. संदीप ग्रोवर कार्यवाहक कुलपति के रूप में कार्यभार सौंपा गया है। मेकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर तिलक राज कार्यवाहक कुल सचिव का कार्यभार संभालेंगे। कार्यवाहक कुलपति डा. ग्रोवर ने निवर्तमान कुलपति यादव के कार्यकाल पर पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अपने चुनौतिपूर्ण कार्यकाल में उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ढांचे में सुधार लाने के साथ-साथ संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं का विस्तार किया। वह अपनी सेवाओं के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। कुल सचिव डा. तिलक राज ने भी कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विश्वविद्यालय को 12(बी) तथा 2एफ का दर्जा हासिल हुआ है और विश्वविद्यालय को एसोचैम द्वारा सर्वश्रेष्ठ नवोदित विश्वविद्यालय के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। विदाई भाषण में निवर्तमान कुलपति ले. जनरल एस यादव ने कुलपति कि रूप में अपने अनुभवों का साझा किया। उन्होंने कहा कि वाईएमसीए विश्वविद्यालय 2009 को अस्तित्व में आया और विश्वविद्यालय ने काफी कम समय में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है।

कुलपति एस यादव के विदाई समारोह के दौरान साथ में है कार्यवाहक कुलपति प्रो. संदीप तथा डा. तिलक राज।

**Hindustan Hindi (31.03.2015)**

### वाईएमसीए में चल रहे वार्षिक तकनीकी व सांस्कृतिक उत्सव कलमायका-2015 का समापन

# पंजाबी गीतों की धुन पर थिरके छात्र

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

मैं प्यार तों वड्ड तेनू प्यार करा, तेनू सजदा सोहने लख वार करा और तु केहा हंस मैं हसदा रेहा तू केहा नच मै नच रहा...पंजाबी पॉप सिंगर हार्डी सिंधू के कुछ ऐसे ही पॉप्युलर पंजाबी गानों पर छात्र जमकर थिरके। मौका था वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चल रहे वार्षिक तकनीकी व सांस्कृतिक उत्सव कलमायका-2015 के समापन का।

तीन दिन से चल रहे वार्षिक कार्यक्रम का शुक्रवार को धूमधाम से समापन हुआ। काव्योत्सव में जहां जाने-माने कवि के साथ ही छात्रों ने भी हुनर दिखाया। वहीं विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी छात्रों की रचनात्मकता खूब देखने को मिली। वाईएमसीए का अंतिम दिन लाइव बैंड परफॉर्मेंस के नाम रहा। कार्यक्रम की शुरुआत काव्योत्सव के साथ हुई।

इसमें जाने-माने शायर व जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में कार्यरत प्रोफेसर रहमान मुसव्विर मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। इसके बाद अनन्या क्लब की ओर से पैराशूट व जस्ट-ए- मिनट प्रतियोगिताएं हुईं। वहीं विविधा क्लब की ओर से माइम और मूवी ट्वीस्ट इवेंट में छात्रों ने दमखम दिखाया। सृजन क्लब की ओर से ई-रेवोल्यूशन प्रतियोगिता ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके अलावा बच्चों ने टी-शर्ट पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिता में भी अपनी रचनात्मकता दिखाई। तरन्नुम क्लब के वेट्स इवेंट में छात्रों ने पूर्वी व पश्चिमी वाद्य यंत्रों पर सोलो परफॉर्मेंस दी।

नटराज क्लब की ओर से हुए फूटलूज इवेंट में छात्रों ने हॉलीवुड-बॉलीवुड गीतों पर जोरदार परफॉर्मेंस देकर खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों के विभिन्न रॉक बैड समूहों द्वारा प्रस्तुतियां दी गईं, जिस पर विद्यार्थियों ने जमकर मस्ती की।

फरीदाबाद वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में कलमायका-2015 के दौरान शुक्रवार को रोबो सॉकर खेलते प्रतिभागी। • सुभाष शर्मा

**मचाया धमाल**

- अंतिम दिन पंजाबी पॉप गायक हार्डी सिंधू ने बांधा समां
- कवि दिनेश रघुवंशी ने कविताओं से किया मनोरंजन

**खूबसूरत कविताओं से बांधा समांः** ओस की बूंदें पड़ीं तो पत्तियां खुश हो गईं, फूल कुछ ऐसे खिले कि टहनियां खुश हो गईं, बेखुदी में दिन तेरे आने के यूं ही गिन लिए, एक पल को यूं लगा कि उंगलियां खुश हो गईं...। ये पंक्तियां सुनाकर कवि दिनेश रघुवंशी ने सभी की वाहवाही लूट ली। वाईएमसीए के कार्यक्रम में पहुंचे कवि दिनेश रघुवंशी ने कार्यक्रम में अपनी खूबसूरत कविताओं के साथ सभी का खूब मनोरंजन किया।

**Dainik Jagran (31.03.2015)**

नई दिल्ली, 28 मार्च 2015 **जागरण सिटी** फरीदाबाद www.jagran.com

# सांस्कृतिक कार्यक्रमों में झूमे छात्र

- वाइएमसीए में तीन दिवसीय उत्सव 'कलमायका-15'
- रॉक बैंड के नाम रही सांस्कृतिक संध्या

वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'कलमायका 15' में एक रोबोटिक इवेंट के हिस्सा लेते विद्यार्थी। जागरण

'कलमायका 15' में रॉक बैंड पर प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'कलमायका 15' में गायिकी में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए प्रतिभागी। जागरण

**जागरण संवाददाता, फरीदाबाद :** वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तीन दिवसीय रंगारंग तकनीकी एवं सांस्कृतिक उत्सव 'कलमायका-15' के दूसरे दिन की सांस्कृतिक संध्या रॉक बैंड के नाम रही। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यार्थियों ने विभिन्न रॉक बैंड समूहों द्वारा प्रस्तुतियां देकर दी गई, जिस पर विद्यार्थियों ने जमकर मस्ती की। कार्यक्रम के बीच माहौल को बदलते हुए जाने-माने कवि दिनेश रघुवंशी देशभक्ति की कविता की कुछ पंक्तियों से शुरुआत करते हुए धीरे-धीरे हास्य रस की ओर बढ़े। अंत में उन्होंने अपनी कविता में मां के वात्सल्य एवं प्रेम का वर्णन भी किया।

इस दौरान विद्यार्थियों के काव्योत्सव का आयोजन भी किया गया। काव्योत्सव में जाने-माने शायर व जामिया मिलिया इस्लामिया के प्रोफेसर रहमान मुसव्विर मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में अनन्या क्लब द्वारा पैराशूट व 'जस्ट अ मिनट' जैसे कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। विविधा क्लब द्वारा प्रस्तुत माइम और मूवी ट्विस्ट इवेंट भी विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र रहे।

सृजन क्लब द्वारा ई-रिवोल्यूशन इवेंट भी काफी रोचक रहा, जिसमें विद्यार्थियों को सफेद टी-शर्ट पर अपनी कला के जौहर दिखाने थे। इसके साथ-साथ रंगोली प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। तरन्नुम क्लब के वेट्स इवेंट में पूर्वी व पश्चिमी वाद्य यंत्रों पर विद्यार्थियों की एकल प्रस्तुतियां देखने को मिलीं। नटराज क्लब द्वारा आयोजित फूटलूज इवेंट में विद्यार्थियों ने अलग-अलग फिल्मी गानों पर अपनी प्रस्तुतियां दीं।

**Hindustan Hindi (10.04.2015)**

फरीदाबाद LIVE युवा

वाईएमसीए में दो दिवसीय सम्मेलन शुरू, विभिन्न देशों के वक्ता हुए शामिल

# तकनीकी शिक्षा के बारे में अपडेट रहें

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

तकनीकी शिक्षा के बारे में समय के साथ होने वाले बदलावों पर छात्रों के लिए जानकारी हासिल करना बेहद जरूरी है। इसके अलावा शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान देना भी आवश्यक है। ये विचार मुख्य वक्ता के तौर पर पहुंचे अमेरिका की कैटरिंग यूनिवर्सिटी के प्रो. रघु चैमपति ने अपने संबोधन में रखे।

मौका था वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में गुरुवार को हुए सम्मेलन का। वाईएमसीए में प्रबंधन विभाग की ओर से बदलते प्रौद्योगिकी व प्रबंधन विषय पर शुरू हुए दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ कुलपति प्रो (डॉ.) संदीप ग्रोवर किया। उन्होंने युवाओं से बदलते परिवेश के साथ खुद को प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाने और नवीनतम तकनीक सीखने का आह्वान किया।

फरीदाबाद स्थित वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में गुरुवार को इंटरनेशनल कांफ्रेस के दौरान एपस्टेक किताब का विमोचन करते वाइस चांसलर प्रो.डॉ.संदीप ग्रोवर। • हिन्दुस्तान

फरीदाबाद स्थित वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में गुरुवार को इंटरनेशनल कांफ्रेस में उपस्थित शिक्षक और छात्र • हिन्दुस्तान

इसके बाद संस्थान के कुलसचिव डॉ. तिलकराज ने मुख्यातिथियों का स्वागत किया। प्रो. (डॉ.) नवदीप मल्होत्रा ने सम्मेलन के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस सम्मेलन में अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड और मलेशिया से आए 87 पेपर स्वीकार किए गए हैं। इनके बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी जाएगी।

मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे मलेशिया के प्रो. युसरी यूसुफ ने मलेशियन शिक्षा प्रणाली पर विचार रखे, वहीं अमेरिका की कैटरिंग यूनिवर्सिटी के प्रो. रघु चैमपति ने नई तकनीकी शिक्षा को शिक्षण क्षेत्र में समायोजित करने और इसके बारे में युवाओं को अपडेट कराने की बात कही। फरीदाबाद लघु उद्योग संघ के अध्यक्ष राजीव चावला ने प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी में बदलाव पर प्रेजेंटेशन देते हुए इसमें सफलता के टिप्स दिए। कार्यक्रम के समापन पर सम्मेलन समन्वयक डॉ. रेणु अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

**Hindustan Hindi (14.05.2015)**

इलेक्ट्रीशियन और वेल्डिंग में डिप्लोमा करने के इच्छुक कर सकते हैं आवेदन, इस सत्र में सभी युवाओं को मिला रोजगार

# कम्युनिटी कॉलेज से हो रहा सपना साकार

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

आर्थिक रूप से कमजोर युवा ना सिर्फ व्यवसायिक ट्रेनिंग ले रहे हैं बल्कि प्रतिष्ठित औद्योगिक इकाइयों में रोजगार पाकर आत्मनिर्भर भी बन रहे हैं। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से चलाए जा रहे कम्युनिटी कॉलेज के जरिए जरूरतमंद युवाओं का सपना साकार हो रहा है।

फैकल्टी सदस्यों की मेहनत और छात्रों की काबलियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस सत्र में कोर्स पूरा करने वाले सभी युवाओं को रोजगार मिल चुका है। वहीं आगामी सत्र के लिए कॉलेज में आवेदन शुरू हो चुके हैं। इलेक्ट्रीशियन और वेल्डिंग में डिप्लोमा करने के इच्छुक युवा संस्थान में इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।

गौरतलब है कि जरूरतमंद युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए वाईएमसीए ने यूजीसी की इजाजत के साथ वर्ष 2013 में कम्युनिटी कॉलेज खोलकर वेल्डिंग में सर्टिफिकेट कोर्स की शुरुआत की। वहीं 2014 में यूजीसी की रिव्यू मीटिंग के बाद इलेक्ट्रिशियन और वेल्डिंग में डिप्लोमा कोर्स शुरू किए गए। ग्रामीण क्षेत्रों के युवा इस रोजगारपरक कोर्स में रुचि लेकर आत्मनिर्भर बन सकें, इसलिए उन्हें बकायदा एक हजार रुपये प्रतिमाह स्कॉलरशिप भी दी जाती है। बशर्ते इसके लिए उन्हें 75 फीसदी से ज्यादा उपस्थिति लगानी होगी। साथ ही सेमेस्टर परीक्षाओं में पास होना होगा।

फरीदाबाद स्थित वाईएमसीए यूनिवर्सिटी। • हिन्दुस्तान

## 15 मई तक करें आवेदन

वेल्डिंग एवं इलेक्ट्रिशियन के एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स में 50-50 सीटें हैं। इनमें दाखिले के लिए न्यूनतम योग्यता बारहवीं है। छात्र 15 मई तक कॉलेज जाकर कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदकों की काउंसलिंग के आधार पर कोर्स के लिए चयन होगा।

## जरूरतमंद ग्रामीण युवाओं को आगे बढ़ाने की पहल

शुरुआत में इस तरफ छात्रों का रुझान नही दिखने के बाद इसके लिए कॉलेज की टीम ने गांवों में जाकर युवाओं को जागरूक किया है। छात्र इस योजना का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बन सकें, यही कोशिश है।

**डॉ. संदीप ग्रोवर**, कुलपति प्रो, वाईएमसीए

डिग्री और पैसे के अभाव में करियर बनाने से पीछे रहे युवाओं को सक्षम बनाने के उद्देश्य से इस कॉलेज की शुरुआत की गई थी। 100 फीसदी युवाओं को जानी-मानी कंपनियों ने रोजगार दिया है। इससे साफ है कि युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। जरूरत है तो उनके हुनर को तराशने की।

**संजीव गोयल**, नोडल ऑफिसर, कम्युनिटी कॉलेज

## आवेदन शुरू

- जरूरतमंदों की मदद को वाईएमसीए में चल रहा कम्युनिटी कॉलेज
- वाईएमसीए में छात्र को मिला सौ फीसदी प्लेसमेंट
- युवाओं को करवाए जाते हैं इलेक्ट्रिशियन और वेल्डिंग में डिप्लोमा कोर्स

**Dainik Bhaskar (04.07.2015)**

# सहरावक गांव में बच्चों के लिए वाईएमसीए स्थापित करेगा कंप्यूटर लैब

**भास्कर न्यूज़ | फरीदाबाद**

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से आदर्श गांव के रूप में गोद लिए गए सहरावक गांव में शिक्षाविदों की एक टीम पहुंची। यहां इसने गांव की समस्याओं को जायजा लिया। इस दौरान टीम ने ग्रामीणों को बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा गांवों के बच्चों को कंप्यूटर प्रशिक्षण देने के लिए निर्णय लिया गया है। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से सहरावक गांव के सरकारी स्कूल में एक कंप्यूटर लैब स्थापित की जाएगी।

**टीम ने संभावित कार्यों की लिस्ट बनाई :** विश्वविद्यालय के कुल सचिव प्रोफेसर डा. तिलक राज के नेतृत्व में सहरावक गांव का दौरा किया गया। इसने गांव की स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद कार्ययोजना का प्रारूप तैयार करने के लिए संभावित कार्यों की पहचान की। टीम में डीन

फरीदाबाद- वाईएमसीए के शिक्षाविद गांव सहरावत के सरकारी स्कूल में स्वच्छता अभियान के तहत बच्चों को जागरूक करते हुए।

स्टूडेंट वेलफेयर डा. एसके अग्रवाल, मैकेनिकल विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. भास्कर नागर, पर्यावरणीय अध्ययन की सहायक प्रोफेसर डा. रेणुका गुप्ता व अन्य शामिल थे। वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने फरीदाबाद जिले में पांच गांव अलीपुर शिकारगाह, सहरावक, तिलोरी खादर, राजपुर व तेजपुर कलां को आदर्श गांव के रूप में विकसित करने के लिए गोद लिया है।

**Hindusthan Hindi (04.07.2015)**

# ग्रामीणों को दी जाएगी कंप्यूटर शिक्षा

फरीदाबाद | **कार्यालय संवाददाता**

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ग्रामीण इलाकों में लोगों को कंप्यूटर शिक्षा देगा। ग्रामीणों को कंप्यूटर की जानकारी देने और युवाओं और बच्चों को लाभ पहुंचाने के लिए संस्थान ने ये फैसला लिया है। इस बाबत शुक्रवार को यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल ने कई गांव में सरपंचों से मुलाकात की। साथ ही उन्हें कंप्यूटर शिक्षा को बढ़ावा देने के अभियान के बारे में बताया। योजना के मुताबिक एक गांव से अभियान शुरू किया जाएगा। इसके बाद बाकी गांव में भी योजना को अमलीजामा पहनाया जाएगा।

गौरतलब है कि वाईएमसीए यूनिवर्सिटी ने जिले के पांच गांव को मॉडल गांव बनाने के लिए गोद लिया है। इसके तहत यूनिवर्सिटी गांव में सफाई,

## वाईएमसीए की पहल

- गोद लिए गए पांच गांवों में चलाएंगे अभियान
- गांव अलीपुर से होगी अभियान की शुरुआत

स्वास्थ्य और शिक्षा क बेहतर बनाने के लिए काम करेगी। इन गांव में अलीपुर, सहरावक, टिलोरी, राजपुर, तेजपुर शामिल हैं। यूनिवर्सिटी गांव में स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत पहले ही कर चुकी है। अब यूनिवर्सिटी ने इन गांव में कंप्यूटर शिक्षा देने की योजना बनाई है। इसके तहत युवाओं को जागरूक कर उनके जरिए दूसरों तक कंप्यूटर शिक्षा पहुंचाई जाएगी।

**अलीपुर से होगी शुरुआत :** मुहिम के तहत यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि मंडल ने रजिस्ट्रार डॉ. तिलकराज के नेतृत्व में सभी गांव के सरपंच से शुक्रवार को मुलाकात की। साथ ही उन्हों कंप्यूटर शिक्षा देने की योजना के बारे में जानकारी दी। योजना की शुरुआत अलीपुर गांव के सरकारी स्कूल से की जाएगी। इसके बाद बाकी गांव के लिए काम होगा। प्रतिनिधि दल में डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. एसके अग्रवाल, असिस्टेंट प्रो. डॉ. भास्कर नागपाल, असिस्टेंट प्रो. डॉ. रेनूका गुप्ता शामिल रहे।

**गांव में बनाए जाएंगे कंप्यूटर लैब :** वाईएमसीए के रजिस्ट्रार डॉ. तिलक राज का कहना है कि गांव में कंप्यूटर शिक्षा देने के लिए अलीपुर सहरावक में कंप्यूटर लैब सैटअप किया जाएगा। इसके लिए यूनिवर्सिटी कंप्यूटर भी मुहैया कराएगी। बच्चों और युवाओं के साथ ही ग्रामीण भी इसका लाभ उठा पाएंगे। ग्रामीणों को हाईटेक बनाना ही उद्देश्य है।

**Dainik Bhaskar (19.05.2015)**

# ठोस कचरा प्रबंधन व पर्यावरण सरंक्षण के प्रति किया जागरूक

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

फरीदाबाद- वाईएमसीए कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करती वक्ता।

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय में कार्यरत सभी चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के लिए पर्यावरण जागरूकता एवं ठोस कचरा प्रबंधन विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य सफाई कार्यों में लगे कर्मचारियों को ठोस कचरा प्रबंधन व उपचार और पर्यावरण प्रदूषण से होनी वाले दुष्प्रभावों के प्रति अवगत कराना था।

विश्वविद्यालय के कुलपति डा. संदीप ग्रोवर व कुल सचिव डा. तिलक राज ने कर्मचारियों के लिए पर्यावरण जागरूकता पर सेमिनार आयोजित करने के लिए उपमंडल अभियंता कार्यालय की सराहना की। सेमिनार को मानविकी एवं विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर डा. रेणुका गुप्ता ने कर्मचारियों को खुले में कचरा जलाने से पड़ने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दी। उन्होंने कर्मचारियों को बताया कि किसी प्रकार रोजमर्रा के कचरे का सही प्रबंधन व उपचार कर पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा पेड़ की पत्तियों एवं अन्य गलनशील कचरे का निपटान खाद बनाकर किया जा सकता है। जबकि प्लास्टिक एवं ऐसी अन्य न गलने वाली वस्तुओं को सामान्य कचरे से अलग रखा जाए, जिससे ऐसे कचरे का ठीक से प्रबंधन एवं निपटान किया जा सके। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) कानून 2010 के अंतर्गत प्रावधानों के बारे में भी जानकारी दी। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण द्वारा पारित आदेश के अनुसार दिल्ली व एनसीआर क्षेत्र में खुले में कचरा जलाना प्रतिबंधित है। न्यायाधिकरण द्वारा पर्यावरण दुष्प्रभावों के बारे जागरूकता अभियान चलाए जाने के निर्देश भी दिए गए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा परिसर में विभिन्न जगह नए कूड़ेदान भी स्थापित किए गए हैं, जिससे विद्यार्थियों को कूड़ा फेंकने के लिए प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत फरीदाबाद में पांच गांवों को भी गोद लिया है। सेमिनार में उपमंडल अभियंता अनिल शर्मा भी मौजूद थे।

**Dainik Jagran (22.06.2015)**

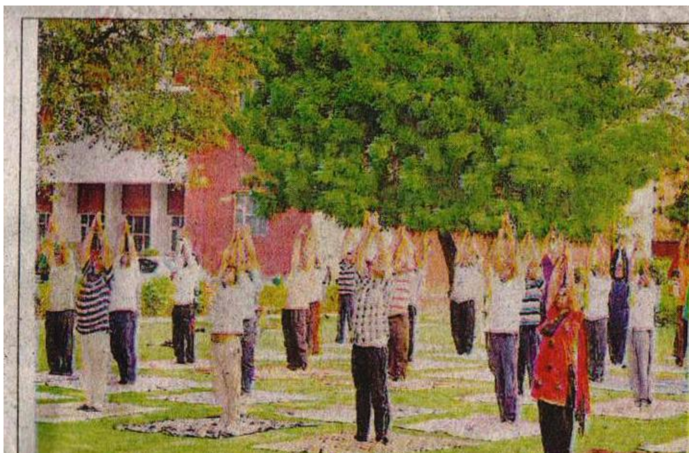

वाइएमसीए में योगाभ्यास करते कर्मचारी, संकाय सदस्य और विद्यार्थी। जागरण

# वाइएमसीए यूनवर्सिटी में योग दिवस मनाया

जासं, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सुबह योग सत्र का आयोजन पार्क में किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कुलपति डा. संदीप ग्रोवर तथा कुल सचिव डा. तिलक राज ने दीप जलाकर कार्यक्रम का आरंभ किया और योगिक क्रियाओं में हिस्सा लिया। योग विशेषज्ञ अनिल अग्रवाल, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. एसके अग्रवाल तथा डा. प्रदीप कुमार ने दिनचर्या में योगासन के महत्व के बारे में बताया।

**Punjab Kesari (04.07.2015)**

# गोद लिए गांव के बच्चों को दिया जाएगा कम्प्यूटर प्रशिक्षण

## कार्य योजना का प्रारूप तैयार करने के लिए संभावित कार्यों की गई पहचान

- **वाईएमसीए की टीम ने गोद लिए गांवों का किया दौरा**
- **गांवों के विकास के लिए अमल में लाई जाएगी कार्रवाई**

*सहरावक गांव में बच्चो को संबोधित करते वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के पदाधिकारी।* (रजत)

फरीदाबाद, 3 जुलाई (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद की एक टीम ने कुल सचिव प्रो.(डॉ.) तिलक राज के नेतृत्व में जिला फरीदाबाद के गांव सहरावक का दौरा किया।

स्वच्छता अभियान मिशन के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा आदर्श गांव के रूप में गोद लिए गए गांवों में से एक है। टीम ने गांव की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और कार्य योजना का प्रारूप तैयार करने के लिए संभावित कार्यों की पहचान की। इस टीम में डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ.एस के अग्रवाल, मैकेनिकल विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ भास्कर नागर, पर्यावरणीय अध्ययन की सहायक प्रोफेसर डॉ रेणुका गुप्ता तथा अन्य शामिल थे।टीम के दौरे का उद्देश्य कुलपति प्रो.(डॉ.) संदीप ग्रोवर के दिशा-निर्देशानुसार सभी गांवों की वास्तविक स्थिति का जायजा लेते हुए कार्य क्षेत्रों की पहचान करना था ताकि इन गांवों के विकास के लिए आगे की कार्रवाई अमल में लाई जा सके। कुल सचिव डॉ तिलक राज तथा टीम के सदस्यों ने अलीपुर शिकारगाह, सहरावक, तिलोरी खादर तथा तेजपुर कलां के सरपंच रतन सिंह तथा अन्य ग्रामीणों से चर्चा की।

उन्होंने गांव वालों को आश्वासन दिया कि वे उद्देश्य की पूर्ति के लिए विश्वविद्यालय को अपना पूरा सहयोग देंगे।कुल सचिव ने ग्रामीणों को अवगत करवाया कि विश्वविद्यालय द्वारा गांवों के बच्चों को कंप्यूटर प्रशिक्षण देने के लिए कंप्यूटर देने का निर्णय लिया गया है तथा जल्द ही गांव सहरावक के सरकारी स्कूल में एक कम्प्यूटर लैब स्थापित की जाएगी।

विश्वविद्यालय टीम ने गांव में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, नालियों के निर्माण, डिस्पेंसरी, पशु चिकित्सालय व बैंक जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव की पहचान की तथा समस्याओं के समाधान के लिए कार्य योजना बनाने पर विचार किया।

### विश्वविद्यालय ने इन गांवों को लिया है गोद

**वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने फरीदाबाद जिले में 5 गांव नामतः अलीपुर शिकारगाह, सहरावक, तिलोरी खादर, राजपुर तथा तेजपुर कलां को आदर्श गांव के रूप में विकसित करने के लिए गोद लिया है।**

पंजाब केसरी Sat, 04 July 2015
epaper.punjabkesari.in/c/5802504

**Dainik Bhaskar (29.07.2015)**

# शहर ने डॉ. अब्दुल कलाम को किया आखिरी सलाम

## स्कूल, कॉलेज, सामाजिक संगठन व युवाओं ने अपने रोल मॉडल को श्रद्धांजलि दी

फरीदाबाद. किसान भवन सेक्टर 16 में आयोजित शोक सभा में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते जाट समाज के लोग।

फरीदाबाद- जवाहर लाल नेहरू कॉलेज में आयोजित शोक सभा में पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित करते अध्यापक एवं एबीवीपी के कार्यकर्ता।

फरीदाबाद- सेक्टर 12 टाउन पार्क में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के निधन पर आयोजित शोक सभा में प्रार्थना कर श्रद्धांजलि देते सर्वधर्म के लोग।

फरीदाबाद- सेक्टर 21 स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के निधन पर आयोजित शोक सभा में प्रार्थना कर श्रद्धांजलि देते बच्चे।

### दो मिनट मौन रख दी श्रद्धांजलि

सेक्टर-21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में देश के11वें राष्ट्रपति अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि दी। विद्यालय के सभी छात्र एवं अध्यापिकाओं ने अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा। सभी ने उन्हें एवं उनके द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों को याद किया। इस मौके पर विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने कहा कि अब्दुल कलाम एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उनकी विचारधारा बहुत सशक्त थी। उन्होंने विचारों की शक्ति से ही अनेक उपलब्धियां पाईं।

भास्कर न्यूज़ | फरीदाबाद

मिसाइलमैन एवं पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम को देश और दुनियाभर से श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। जिले के लोगों ने भी इस महान शख्सियत को आखिरी सलाम पेश किया। स्कूल, कालेज, सामाजिक संगठन व युवाओं ने अपने रोल मॉडल डा. कलाम को श्रद्धांजलि दी। उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

### विद्यार्थियों ने किया याद

एनआईटी फरीदाबाद स्थित खजानी वुमेंस वोकेशनल इंस्टीट्यूट में पूर्व राष्ट्रपति मिसाइलमैन एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर संस्थान के डायरेक्टर संजय चौधरी व सेंटर हेड रसमीत कौर भी मौजूद थे। इस मौके पर छात्राओं ने मिस यू मिसाइल मैन, अलविदा कलाम जैसे स्लोगन लिखकर पूर्व राष्ट्रपति को नमन किया।

### जाट समाज ने दी श्रद्धांजलि

जाट समाज के सदस्यों ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया। किसान भवन सेक्टर-16 में आयोजित शोकसभा में जाट समाज के महासचिव एचएस मलिक, उपाध्यक्ष रंजीत सिंह दहिया व सरबजीत सिंह फौजदार ने कहा कि एपीजे अब्दुल कलाम ने देश के लिए जीवनभर कार्य किया। देश को ताकतवर बनाने व तरक्की में उनका अहम योगदान रहा है। देश की युवा पीढ़ी को नए आयाम तक पहुंचाने की उनकी सोच रही है। वह युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत रहे। सभा में सतपाल नरवत, एचएस ढिल्लो, रमेश चौधरी, जगवीर तेवतिया, प्रेम नर्वत, रामबीर दहिया, बिजेंद्र फौजदार, आरएस राणा, कैप्टन कालेराम, आरएस जून समेत समाज के अनेक सदस्य व पदाधिकारियों ने डा. कलाम के फोटो पर पुष्प अर्पित कर शोक व्यक्त किया। दो मिनट का मौन रख कर उन की आत्म शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

फरीदाबाद- सेक्टर 22 स्थित प्रचीन शिव
कलाम के निधन पर आयोजित शोक सभा

### नन्हे-मुन्ने बच्चों ने किया नमन

सेक्टर-31 स्थित फरीदाबाद मॉडल स्कूल के कक्षा पांचवीं से

### उनकी उपलब्धियों को किया याद

विद्या मंदिर पब्लिक स्कूल के श्री हरि सभागार में डा. कलाम को बच्चों द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान बच्चों को उनकी उपलब्धियों के बारे में बताया

गया। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा डा. कलाम के आकस्मिक निधन पर शोकसभा का आयोजन किया गया। उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कुलपति डा. संदीप ग्रोवर की अध्यक्षता में आयोजित शोक सभा में काफी संख्या में कर्मचारियों, अधिकारियों एवं विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

**Hindustan Times**



## YMCA University celebrates Independence day

The 69th Independence Day, was celebrated with patriotic fervour and gaiety by the YMCA University of Science and Technology, Faridabad. Vice-Chancellor, Prof. Sandeep Grover hoisted the national flag in the university premises and paid tribute to the martyrs of the freedom struggle. Thereafter, the university security staff also presented a march past. This was followed by flag hoisting ceremony, recitation of a patriotic poem and singing of song 'Vande Matarm' by the students. The ceremony was attended by university registrar Dr Tilak Raj, dean student welfare Dr SK Aggarwal, deans of various departments, HoDs, officers of University, faculty members, supporting staff and students. The vice-chancellor in his Independence Day speech congratulated all the members of the university. Highlighting the importance of the day, he told the audience how people had sacrificed their life for the independence of the country. He called upon the youth to become responsible, dedicated, honest and sincere citizens of the country and lead the nation in the globalised world. The vice-chancellor also asked the university officers, faculty, students and the staff to take a pledge to strengthen the university so as to serve the society to its maximum potential. The event ended with the distribution of sweets. The programme was organised by the NSS wing of the university and coordinated by NSS officer Dr Pradeep Kumar Dimri.

■ Vice-Chancellor Sandeep Grover hoisted the national flag at the YMCA University premises.

**Punjab Kesari (16.09.2015)**

# टीसीएस में हुआ 135 इंजीनियरों का चयन

फरीदाबाद, 15 सितम्बर (सूरजमल) : देश की शीर्ष आईटी कम्पनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने शैक्षणिक संस्थानों से दक्ष इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को भर्ती करने की अपनी परंपरा को जारी रखते हुए वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फरीदाबाद से 135 इंजीनियरिंग विद्यार्थियों का चयन किया।

विगत वर्ष भी कंपनी ने विश्वविद्यालय के लगभग 140 विद्यार्थियों का चयन किया था। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. संदीप ग्रोवर ने सभी चयनित विद्यार्थियों तथा उनके परिजनों को शुभकामनाएं दी है तथा इस उपलब्धि के लिए ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट विभाग की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ विभाग के अच्छे तालमेल तथा संबंधों का ही परिणाम है कि टीसीएस जैसी प्रतिष्ठित कंपनी लगातार लगभग 10 वर्षों से संस्थान में प्लेसमेंट के लिए आ रही है।

उन्होंने कहा कि यह सफलता वाईएमसीए विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की लगन एवं समर्पित भाव से की गई मेहनत का भी परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी सुविधाजनक स्थिति से बाहर निकलने तथा अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय हमेशा विद्यार्थियों को एक अच्छा विज्ञान विशेषज्ञ तथा एक जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. तिलक राज ने भी सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी डा. विक्रम सिंह एवं उनकी टीम को प्लेसमेंट अभियान में प्रतिष्ठित कंपनियों को आमंत्रित करने के लिए किये जा रहे प्रयासों के लिए भी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि चयनित विद्यार्थी कंपनी के लिए दक्ष कार्यबल साबित होंगे। डा. तिलक राज ने बताया कि देश की सबसे बड़ी साफ्टवेयर सेवा प्रदाता कंपनी टीसीएस विश्वविद्यालय के लिए हमेशा से प्रमुख कंपनी रही है और विद्यार्थियों को प्लेसमेंट देने में भी अग्रणी है।

उन्होंने विश्वविद्यालय पर लगातार विश्वास जताते हुए काफी संख्या में विद्यार्थियों को प्लेसमेंट देने के लिए टीसीएस कंपनी का आभार जताया।

Wed, 16 September 2015
epaper.punjabkesari.in/c/6556904

**Hindustan Hindi (16.09.2015)**

# वाईएमसीए के 135 छात्रों का टीसीएस में चयन

**फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता**

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के आईटी विभाग के छात्रों का चयन आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने चयन किया है। करीब 135 छात्रों को जल्द ही कंपनी नियुक्ति पत्र देगी। टीसीएस के 40 अधिकारियों की टीम ने 337 छात्रों के इंटरव्यू के बाद 135 छात्रों का चयन किया है। कंपनी ने पिछले साल भी करीब 140 छात्रों का चयन किया था।

छात्र विनय, माधवी, सोनल आदि ने कहा कि वाईएमसीए के छात्रों को प्लेसमेंट की समस्या नहीं होती है। कंपनियां कैंपस सेलेक्शन के लिए आती हैं। कुछ छात्रों का चयन टीसीएस ने किया है, जबकि आने वाले दिनों और भी कंपनियां यहां आएंगी।

यूनिवर्सिटी के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि चयन किए गए 135 छात्रों में से 100 छात्र अंडरग्रेजुएट और 35 पोस्टग्रेजुएट पाठ्यक्रमों के छात्र हैं। कुलपति डॉ. संदीप ग्रोवर ने सभी चयनित छात्र और उनके परिजनों को शुभकामनाएं दी है।

**Hindustan Times**

04 HT Live Faridabad, Saturday, October 10, 2015
www.hindustantimes.com

Students take part in blood donation camp at YMCA University.

## Youth Red Cross Wing holds blood donation camp

The Youth Red Cross wing of YMCA University of Science and Technology, Faridabad organised a voluntary blood donation camp in the University premises in collaboration with the Red Cross Society and Bharat Vikas Parishad (BVP). The camp was inaugurated by the vice-chancellor Dr Sandeep Grover who welcomed the medical team from Red Cross. Dean Student Welfare, Dr SK Aggarwal and officials from BVP were also present on this occasion. Vice-chancellor Dr Sandeep Grover congratulated Dean Student Welfare Dr SK Aggarwal and his team for the successfully organising the camp. Dr Grover said that donating blood is a noble cause and inculcates the feeling 'Joy of Giving' in youth. Dr Tilak Raj, Registrar of the University, thanked all students, staff, and officials of Bharat Vikas Parishad and Red Cross for their support. Dr Pradeep Kumar Dimri, Coordinator, Youth Red Cross informed that over 200 volunteers among the students, faculty and staff members participated in the camp and donated blood. This year also saw a large participation of girl students. Student volunteers from NSS and YRC of the University led

**Punjab Kesari (07.10.2015)**

# शिविर में 200 विद्यार्थियों ने किया रक्तदान

**फरीदाबाद,** (अंकुर अग्रवाल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा आज रैड क्रॉस सोसाइटी और भारत विकास परिषद् के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ कुलपति डॉ संदीप ग्रोवर ने किया। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर, डॉ एस के अग्रवाल, भारत विकास परिषद् के पदाधिकारी तथा अन्य संकायों के सदस्य उपस्थित थे। डॉ संदीप ग्रोवर ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को सामाजिक के प्रति अपने दायित्वों को समझने और निर्णय लेने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान शिविर में हिस्सा लेना अपने आप में शिक्षा का हिस्सा है, जो 'देने के सुख' की अनुभूति करवाता है और दूसरों के लिए मदद करने के लिए आगे आने की शिक्षा देना है। विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को जागृत करने के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। डीन स्टूडेंट वेलफेयर, डॉ एस के अग्रवाल ने कहा कि युवाओं को ऐसी नेक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है। प्रत्येक व्यक्ति को आगे आकर रक्तदान जैसे पुनीत कार्य में हिस्सा लेने चाहिए। जिला रैड क्रॉस सोसाइटी द्वारा रक्तदान करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गये। शिविर के संचालक डॉ प्रदीप कुमार ने बताया कि रक्तदान शिविर में लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों, कर्मचारियों व संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया और स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस बार रक्तदान शिविर में छात्राओं की भी बड़ी संख्या में भागीदारी देखने को मिली। शिविर में कपिल, साहिल, सुनील व अंशुल ने अहम भूमिका निभाई।

वाईएमसीए में लगे रक्तदान शिविर में रक्त दाताओं की हौसला अफजाई करते आयोजक। (छाया: अंकुर)

**Dainik Jagran (16.10.2015)**

फरीदाबाद/पलवल

# जागरण सिटी

छात्राएं सीखेंगी आत्मरक्षा के गुर XVI

दैनिक जागरण | नई दिल्ली, 16 अक्टूबर 2015 | www.jagran.com

## छात्राएं सीखेंगी आत्मरक्षा के गुर

वाइएमसीए में छात्राओं व महिला कर्मियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित छात्राएं।

**जासं. फरीदाबाद:** वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के महिला कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा छात्राओं एवं महिला कर्मियों के लिए एक आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर शुरू किया गया है। यह 15 नवंबर तक चलेगा। बृहस्पतिवार को इस शिविर का उद्घाटन शिक्षाविद् रेणु सूद ने किया। इस दौरान पूर्व छात्र संगठन मॉब के कोषाध्यक्ष नवीन सूद, सुनील यादव व अजय नेहरा भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं को सुबह 6.30 बजे से 8 बजे तक आत्म रक्षा के लिए जूडो मार्शल आर्ट की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। कुलपति डा. संदीप ग्रोवर तथा कुलसचिव डा. तिलक राज ने महिला कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा छात्राओं के लिए आत्म रक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर सराहना की है। महिला कल्याण प्रकोष्ठ की अध्यक्ष पूनम सिंघल ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को मुसीबत या किसी तरह के उत्पीड़न के दौरान खुद का बचाव की तकनीकों के बारे में बुनियादी प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं के विरूद्ध बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर छात्राओं को आत्म रक्षा के लिए प्रशिक्षिण करना जरूरी है।

**Hindustan Hindi (16.10.2015)**

## आत्मरक्षा का शिविर हुआ शुरू

**फरीदाबाद।** वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में गुरुवार को महिला कल्याण प्रकोष्ठ की ओर से छात्राओं एवं महिलाकर्मियों के लिए एक महीने का आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। इसका उद्घाटन शिक्षाविद् रेणु सूद ने किया।

विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ मॉब की ओर से करवाए जा रहे इस कार्यक्रम के तहत सुबह साढ़े छह बजे से आठ बजे तक मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग दी जाएगी। कुलपति डॉ. संदीप ग्रोवर और कुलसचिव डॉ. तिलक राज ने कहा कि छात्राओं और महिलाकर्मियों की सुरक्षा के मद्देमनजर ये कार्यक्रम कराया जा रहा है। 15 नवंबर तक चलने वाले शिविर में आत्मरक्षा के टिप्स दिए जाएंगे। मौके पर प्रकोष्ठ की अध्यक्ष पूनम सिंघल मॉब एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष नवीन सूद, सुनील यादव, अजय नेहरा मौजूद रहे।

**Punjab Kesari Delhi (07.10.2015)**

# अपने दायित्वों को भी समझे विद्यार्थी : ग्रोवर

## शिविर में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने किया रक्तदान

रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाते हुए आयोजक।(रजत)

फरीदाबाद, 6 अक्तूबर (सूरजमल) : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आज रैडक्रॉस सोसायटी और भारत विकास परिषद् के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

शिविर में लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों, कर्मचारियों व संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया और स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ कुलपति डॉ संदीप ग्रोवर ने किया तथा रैडक्रॉस के चिकित्सा दल का स्वागत किया। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर, डॉ एस के अग्रवाल, भारत विकास परिषद् के पदाधिकारी तथा अन्य संकायों के सदस्य उपस्थित थे। उन्होंने रक्तदाताओं का हौसला भी बढ़ाया।

डा. संदीप ग्रोवर ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को सामाजिक के प्रति अपने दायित्वों को समझने और निर्णय लेने की प्रेरणा मिलती है। रक्तदान शिविर में हिस्सा लेना अपने आप में शिक्षा का हिस्सा है, जो 'देने के सुख' की अनुभूति करवाता है और दूसरों के लिए मदद करने के लिए आगे आने की शिक्षा देना है। विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को जागृत करें।

पंजाब केसरी Wed, 07 October 2015
epaper.punjabkesari.in/c/6798241

**Dainik Jagran (08.10.2015)**

## वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में लगाया रक्तदान शिविर

**जागरण संवाददाता, फरीदाबाद:** भारत विकास परिषद, वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय तथा रेडक्रास सोसाइटी की ओर से विश्वविद्यालय परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 202 विद्यार्थियों ने रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ कुलपति डा. संदीप ग्रोवर ने किया। डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. एसके अग्रवाल तथा भारत विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल का शिविर में विशेष योगदान रहा।

डा. संदीप ग्रोवर ने रक्तदान शिविर के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। डा. एसके अग्रवाल ने रक्तदान शिविर के सफल संचालन एवं सहयोग के लिए सभी विद्यार्थियों, स्टाफ तथा भाविप की टीम का आभार जताया। रक्तदान करने पर सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गए। शिविर के संचालक एवं यूथ रेडक्रास के समन्वयक डा. प्रदीप कुमार ने बताया कि इस बार रक्तदान शिविर में छात्राओं की भी बड़ी संख्या थी।

**Dainik Bhaskar (07.10.2015)**

dainikbhaskar.com | राज्य

## शिविर में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने किया रक्तदान

Bhaskar News Network | Oct 07, 2015, 02:00 AM IST

फरीदाबाद| वाईएमसीएविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा रेडक्रास सोसायटी भारत विकास परिषद के सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया। इसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रक्तदान शिविर में लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों, कर्मचारियों संकाय सदस्यों ने रक्तदान किया। शिविर सुबह 9.30 बजे से शुरू हुआ। शुभारंभ डा. संदीप ग्रोवर ने किया। इस मौके पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. एसके अग्रवाल भारत विकास परिषद के पदाधिकारी अन्य संकायों के सदस्यों ने रक्तदाताओं का हौसला भी बढ़ाया।

**Punjab Kesari (17.10.2015)**

# शोधकर्त्ताओं को ई- संसाधनों से मिलेगा बढ़ावा: राज

*वाईएमसीए में आयोजित जागरूकता सैमीनार में हिस्सा लेते हुए लोग। (रजत)*

## सैमीनार में ई-संसाधनों के प्रति किया जागरूक

फरीदाबाद, 16 अक्तूबर (सूरजमल) : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के पुस्तकालय द्वारा ई-संसाधनों के उपयोग पर एक दिवसीय यूजर अवेयरनेस (उपयोगकर्ता जागरूकता) कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन कुल सचिव डॉ तिलक राज ने किया।

इस अवसर पर मैकेनिकल विभाग के चेयरमैन डॉ एम एल अग्रवाल, कम्प्यूटर विभाग के चेयरमैन डॉ नरेश चौहान के अलावा काफी संख्या में संकाय सदस्य उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ तिलक राज ने लाइब्रेरी द्वारा संकाय सदस्यों तथा शोधकर्ताओं की सुविधा के लिए पुस्तकालय द्वारा कार्यशाला के आयोजन की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि बदलते परिदृश्य में ई-संसाधनों का महत्व बढ़ गया है और इस तरह के कार्यक्रमों से शोधकर्ताओं का लाभ होगा तथा शोध कार्य को बढ़ावा मिलेगा। इससे पूर्व कार्यशाला को संबोधित करते हुए लाइब्रेरियन पी एन वाजपेयी ने कार्यशाला के प्रयोजन एवं महत्व के बारे में बताया।

उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य संकाय सदस्यों तथा शोधकर्ताओं को ई-रिसॉसेज एवं ई-लर्निंग के क्षेत्र में नवीनतम बदलावों तथा ई-रिसॉसेज के महत्व के प्रति जागरूक करना है।

आईईईई एक्सप्लोर, एएसएमई, मैकग्रा-हिल एक्सेस इंजीनियरिंग तथा इन्फार्मेटिक्स इंडिया के प्रतिनिधियों ने निम्बस, फैडगेट तथा जेगेट जैसे उपयोगी सॉफ्टवेयर की परिचयात्मक प्रस्तुति दी। उन्होंने ई-रिसॉसेज के उपयोग में संकाय सदस्यों तथा शोधकर्ताओं को आने वाली समस्याओं, समाधान तथा उपयोगिता बताई।

पंजाब केसरी Sat, 17 October 2015
epaper.punjabkesari.in/c/6953524

फरीदाबाद | हिन्दुस्तान शनिवार, 17 अक्तूबर 2015 22

न्यूज कॉर्नर

## ई-संसाधनों के बारे में जानकारी दी

**फरीदाबाद।** वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि में शुक्रवार को पुस्तकालय विभाग की ओर से ई-संसाधनों के उपयोग पर यूजर अवेयरनेस कार्यशाला का आयोजन हुआ। उद्घाटन कुल सचिव डॉ. तिलक राज ने किया। उन्होंने बदलते परिवेश में ई-संसाधनों के महत्व पर चर्चा की।

**Dainik Jagran (21.10.2015)**

# बौद्धिक संपदा अधिकारों के लिए जागरूकता जरूरी

वाइएमसीए विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में 'बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा एवं अन्वेषण' विषय पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते वक्ता। जागरण

**जागरण संवाददाता, फरीदाबाद :** वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 'बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा एवं अन्वेषण' विषय पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला विश्वविद्यालय के आइपीआर प्रकोष्ठ एवं कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की ओर से आयोजित की गई।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संदीप ग्रोवर ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकारों की बढ़ती प्रासंगिकता को देखते इस बारे में बड़े स्तर पर जागरूकता लाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि बौद्धिक संपदा को लेकर जागरूकता एवं सुरक्षा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय में मानविकी एवं विज्ञान डीन डॉ. राजकुमार की अध्यक्षता में एक प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। इस अवसर पर कुल सचिव डॉ तिलक राज भी उपस्थित थे।

केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. एके गर्ग ने बौद्धिक संपदा के महत्व, प्रकार तथा पंजीकरण प्रक्रिया की जानकारी दी। डॉ. तिलक राज तथा डॉ. नरेश चौहान ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला के दौरान डॉ. राजीव साहा, डॉ. स्वप्निल, अंकिता, डा. शीतल, डॉ. कीर्ति, डॉ. धर्मवीर तथा डॉ. जोसफ ने भी अपने विचार रखे। कार्यशाला के समापन पर डॉ. सपना गंभीर ने सभी वक्ताओं का धन्यवाद किया।

**Dainik Jagran (21.10.2015)**

कार्यक्रम

वाईएमसीए विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में 'बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा एवं अन्वेषण' विषय पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते वक्ता। (छाया : सुरेश)

# विद्यार्थियों को बताया बौद्धिक संपदा का महत्व

**कार्यशाला**

**'बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा एवं अन्वेषण' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन**

**बल्लभगढ़,** (सुरेश बंसल): बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के महत्व को लेकर जागरूकता लाने के उद्देश्य से वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा 'बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा एवं अन्वेषण' विषय पर 19 व 20 अक्तूबर को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से विश्वविद्यालय के आईपीआर प्रकोष्ठ एवं कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति डा. संदीप ग्रोवर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर कुल सचिव डा. तिलक राज भी उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डा. ग्रोवर ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकारों की बढ़ती प्रासंगिकता को देखते हुए इसकी भूमिका की पहचान देने की आवश्यकता है और इस संबंध में बड़े स्तर पर जागरूकता लाना भी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि बौद्धिक संपदा को लेकर जागरूकता एवं सुरक्षा प्रदान करने के दृष्टिगत विश्वविद्यालय द्वारा डीन, मानविकी एवं विज्ञान, डा. राज कुमार की अध्यक्षता में एक आईपीआर प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ ए के गर्ग ने देश में बौद्धिक संपदा पर प्रकाश डाला, जिसमें उन्होंने बौद्धिक संपदा के महत्व, प्रकार तथा पंजीकरण प्रक्रिया की जानकारी दी तथा केन्द्र सरकार द्वारा बौद्धिक संपदा की सुरक्षा के लिए की जा रही पहल के बारे में भी बताया। कार्यशाला को डा. तिलक राज तथा डा. नरेश चौहान, चेयरमैन, कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग ने भी संबोधित किया तथा बौद्धिक संपदा से संबोधित विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये। इससे पूर्व, आईपीआर प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डा. राज कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा आईपीआर प्रकोष्ठ का गठन संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को बौद्धिक संपदा के महत्व को लेकर जागरूकता बनाने के उद्देश्य से किया गया है। इससे शोधकर्ताओं को उनकी बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रबंधन एवं इसके वाणिज्यिक पहलुओं के दृष्टिगत लाभ होगा। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य शोधकर्ताओं को उनके द्वारा किये जाने वाले अनुसंधान एवं अन्य कार्यों में पायरेसी की समस्या को रोकने के प्रति जागरूक बनाना है। कार्यशाला के दौरान विभिन्न वक्ताओं डा. राजीव साहा, डा. स्वप्नील, अंकिता, डा. शीतल, डा. कीर्ति, डॉ धर्मवीर तथा डा. जोसफ द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व के साथ-साथ इनकी सुरक्षा, पेटेंट प्रक्रिया, पेटेंट के बारे में जानकारी, पेटेंट की खोज, ट्रेडमार्क तथा कापीराइट संरक्षण, नवीन खोजों में शिक्षा-उद्यम सहयोग की भूमिका, प्रकाशन एवं पेटेंट के संबंध में शोधकर्ताओं द्वारा क्या-क्या ध्यान रखा जाये संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यशाला के समापन पर डॉ सपना गंभीर ने सभी वक्ताओं का धन्यवाद किया।

**Hindustan Times**



# YMCA holds workshop on IPR

**localevents**

With the view to creating awareness on the significance of Intellectual Property Right (IPR), the YMCA University of Science and Technology, Faridabad has conducted a two-day awareness workshop on 'Protecting and Exploring IPRs' on October 19 and 20, 2015. The workshop was jointly organised by the IPR cell and Computer Engineering Department of the University with support from Department of Electronics and Information Technology (DeitY), Ministry of Communication and IT. The workshop was inaugurated by Dr Sandeep Grover, vice-chancellor of the university, by lighting the lamp. Registrar Dr Tilak Raj was also present on this occasion. In his inaugural address, Dr Grover said that with the increasing relevance of Intellectual Property (IP), it is important to recognise the role of IPR and create public awareness. He said that the university has set up an IPR Cell under the chairmanship of Dr Raj Kumar, Dean of Humanities and Sciences to create awareness and protection of the Intellectual Rights of the University.

Two-day awareness workshop on 'Protecting and Exploring IPRs' at YMCA University of Science and Technology, Faridabad.

**Dainik Tribune (30.10.2015)**

Founder
S. Dayal Singh Majithia

उत्तर भारत का सम्पूर्ण समाचार पत्र
दैनिक ट्रिब्यून
Current Time: November 2, 2015, 10:21 am



## वाईएमसीए में रन फार यूनिटी का आयोजन

Posted On October - 30 - 2015

**फरीदाबाद, 30 अक्तूबर (हप्र)**

फरीदाबाद की वाईएमसीए यूनिर्वसिटी में शुक्रवार को रन फार यूनिटी के तहत दौड़ते छात्र। -शिव

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के 140वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। समारोह की शुरुआत करते हुए कुलपति डॉ संदीप ग्रोवर ने सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण की। कुल सचिव डॉ तिलक राज तथा डीन, स्टूडेंट वेलफेयर डॉ एस के अग्रवाल ने भी सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। स्टूडेंट कोर्डिनेटर अभिषेक भट्टाचार्य ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। विश्वविद्यालय में रन फॉर यूनिटी का आयोजन भी किया गया, जिसे कुलपति डॉ ग्रोवर ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौड़ में विश्वविद्यालय के 150 से ज्यादा विद्यार्थियों व कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। राष्ट्रीय एकता विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इसमें विश्वविद्यालय की छात्रा सिमरन धवन, ख्याति मल्होत्रा तथा निकिता ने क्रमश: पहला, दूसरा व तीसरा पुरस्कार हासिल किया।

**Dainik Jagran (03.11.2015)**

# राजदूत ने किया उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन

**जागरण संवाददाता, फरीदाबाद:** वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए जलवायु एवं ऊर्जा थीम पर आधारित केंद्र को लगभग 20 लाख रुपये की लागत से डेनमार्क की कंपनी डैनफोस इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, चैन्नई के सहयोग से स्थापित किया है। इस केंद्र को स्थापित करने का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऊर्जा खपत क्षमता पर आधारित नवीनतम तकनीकों की जानकारी एवं अनुभव प्रदान करना है।

भारत में डेनमार्क के राजदूत पीटर टाकसो जेनसेन ने सोमवार को वाईएमसीए में कोल्ड चेन प्रौद्योगिकी पर आधारित एक उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय पहुंचने पर कुलपति डॉ. संदीप ग्रोवर तथा कुल सचिव डॉ. तिलक राज ने राजदूत पीटर टाकसो जेनसेन का स्वागत किया गया। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. एमएल अग्रवाल, डैनफोस इंडिया के अध्यक्ष रविचंद्रन पुरुषोत्तम के अलावा उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना में संयोजक की भूमिका निभा रहे डैनफोस से मधुर सहगल तथा वाईएमसीए के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अरविंद गुप्ता भी उपस्थित थे।

डेनमार्क के राजदूत पीटर टाकसो जेनसेन वाइएमसीए विश्वविद्यालय में स्थापित उत्कृष्टता केंद्र में लगाए गए उपकरणों के संबंध में जानकारी लेते हुए।

पीटर टाकसो जेनसेन मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग का दौरा किया तथा विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न प्रयोगशालाओं का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों द्वारा विकसित प्रयोगों को भी देखा तथा जानकारी ली। डेनमार्क राजदूत का स्वागत करते हुए कुलपति डॉ. ग्रोवर ने बताया कि विश्वविद्यालय में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना को लेकर डैनफोस कंपनी के साथ विश्वविद्यालय ने दो वर्ष पहले एक समझौते पर हस्ताक्षर किये थे, जिसे मूर्त रूप दिया गया है। डॉ. ग्रोवर ने डैनफोस कंपनी का आभार जताते हुए कहा कि इस उत्कृष्टता केन्द्र ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक संसाधनों के विस्तार को नई दिशा दी है। समारोह के अंत में कुल सचिव डॉ. तिलक राज ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा तथा डॉ. एमएल अग्रवाल ने डेनमार्क के राजदूत को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

**Navbharat Times (03.11.2015)**

# उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन

■ **वस, फरीदाबाद**

**भारत में** डेनमार्क के राजदूत पीटर टाकसो जेनसेन ने वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के लिए कोल्ड चेन प्रौद्योगिकी पर आधारित उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन किया। जलवायु एवं ऊर्जा थीम पर आधारित इस उत्कृष्टता केंद्र को लगभग 20 लाख रुपये की लागत से डेनमार्क की कंपनी डैनफोस इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई के सहयोग से स्थापित किया गया है।

इससे पूर्व यूनिवर्सिटी पहुंचने पर चांसलर डॉ संदीप ग्रोवर तथा रजिस्ट्रार डॉ तिलक राज ने राजदूत पीटर टाकसो जेनसेन का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ.एम एल अग्रवाल, डैनफोस इंडिया के प्रेजीडेंट रविचंद्रन पुरुषोत्तमन के अलावा उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना में संयोजक की भूमिका निभा रहे डैनफोस से मधुर सहगल तथा वाईएमसीए के असोसिएट प्रोफेसर डॉ. अरविंद गुप्ता भी उपस्थित थे। राजदूत पीटर टाकसो जेनसेन ने कहा कि भारत में कौशल एवं क्षमता निर्माण समय की मांग है। इस मौके पर रजिस्ट्रार डॉ तिलकराज ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा और डॉ.एमएल अग्रवाल ने राजदूत को स्मृति चिन्ह दिया।

डेनमार्क के राजदूत पीटर टाकसो जेनसेन वाइएमसीए विश्वविद्यालय में स्थापित उत्कृष्टता केंद्र में लगाए गए उपकरणों के संबंध में जानकारी लेते हुए।

**The Tribune (21.10.2015)**

# Danish centre of excellence opens at YMCA varsity

FARIDABAD, NOVEMBER 2

Peter Takse-Jensen, Denmark Ambassador to India, today inaugurated a centre of excellence at YMCA University of Science and Technology here.

The centre set up at cost of around Rs 20 lakh under the theme 'Climate and Energy' in collaboration with Danfoss Industries Private Limited, Chennai, a Denmark-based company, it will equip students with hands on experience in energy-efficient solutions for cold chain industry slated to grow at a compound annual growth rate (CAGR) of 27 per cent by 2019. The centre will also help provide students with the desired exposure to cold chain technology, claimed an official spokesperson of the varsity. Ravichandran Purushothaman, President, Danfoss India, said industry-academia collaboration that would form the foundation for developing talent for the industry.

Earlier, Jensen visited the Department of Mechanical Engineering at the YMCA varsity and enquired about the facilities available there practical training. —TNS

**Dainik Tribune(03.11.2015)**

Founder

S. Dayal Singh Majithia

उत्तर भारत का सम्पूर्ण समाचार पत्र

दैनिक ट्रिब्यून

Current Time: November 3, 2015, 9:23 am



# 'भारत में कौशल एवं क्षमता निर्माण समय की मांग'

Posted On November - 2 - 2015

**फरीदाबाद, 2 नवंबर (हप्र)**

भारत में डेनमार्क के राजदूत पीटर टाकसो जेनसेन ने सोमवार को वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में कोल्ड चेन प्रौद्योगिकी पर आधारित एक उत्कृष्टता केन्द्र का उद्घाटन किया। 'जलवायु एवं ऊर्जा' थीम पर आधारित इस उत्कृष्टता केन्द्र को 20 लाख की लागत से डेनमार्क की कंपनी डैनफोस इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई के सहयोग से स्थापित किया गया है।

इससे पूर्व, विश्वविद्यालय पहुंचने पर कुलपति डॉ संदीप ग्रोवर तथा कुल सचिव डॉ तिलक राज ने राजदूत पीटर टाकसो जेनसेन का स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय में अपने दौरे के दौरान पीटर टाकसो जेनसेन मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग का दौरा किया और विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न प्रयोगशालाओं का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों द्वारा विकसित प्रयोगों को भी देखा तथा जानकारी ली।

डॉ एम एल अग्रवाल ने पीटर टाकसो जेनसेन को विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों एवं विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। कुलपति डॉ ग्रोवर ने बताया कि विश्वविद्यालय में उत्कृष्टता केन्द्र को स्थापित करने का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऊर्जा खपत क्षमता पर आधारित नवीनतम तकनीकों की जानकारी एवं अनुभव प्रदान करना था। डेनमार्क राजदूत पीटर टाकसो जेनसेन ने कहा कि भारत में कौशल एवं क्षमता निर्माण समय की मांग है। विश्वविद्यालय में स्थापित उत्कृष्टता केन्द्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डैनफोस कंपनी के प्रेजीडेंट रविचंद्रन पुरुषोत्तम ने कहा कि देशभर में कौशल विकास पर बल दिया जा रहा है। समारोह के अंत में कुल सचिव डॉ तिलक राज ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।